# DIGITAL RESOURCE CENTRE (DRC)
# CENTRAL LIBRARY

## PRESS CLIPPINGS

1-31JULY

2025

# CONTENT


| S. No | Title | Author | Newspaper | Page No. | Date of Publication |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | एनसीसी कैडेटों को कराई गई फायरिंग | | हिन्दूस्तान | 5 | **03/07/2025** |
| 2. | शिविर के सातवें दिन फायरिंग का प्रशिक्षण दिया | | अमर उजाला | 6 | **03/07/2025** |
| 3. | आईएफटीएम विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण अभियान-2025 का भव्य आयोजन<br>एक पेड़ माँ के नाम" कार्यक्रम के अंतर्गत 150 से अधिक प्रतिभागियों ने किया सहभाग | | विधान केसरी | 7 | **10/07/2025** |
| 4. | आईएफटीएम में अर्जुन और शीशम के लगाए पौधे | | अमर उजाला | 8 | **10/07/2025** |
| 5. | आईएफटीएम परिसर में हुआ 'वृक्षारोपण' | | शाह टाइम ब्यूरो | 9 | **10/07/2025** |
| 6. | आईएफटीएम में बुधवार को एनएसएस इकाई की ओर से पौधारोपण किया गया।<br>पौधों की जीवितता के लिए सुनिश्चित करें देखभाल | | हिन्दूस्तान | 10 | **10/07/2025** |
| 7. | आईएफटीएम विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण अभियान-2025 का भव्य आयोजन | | युग बंधु समाचार | 11 | **10/07/2025** |
| 8. | आईसीएआर-आईएआरआई के कुलपति ने किया आईएफटीएम विश्वविद्यालय का दौरा | | विधान केसरी | 12 | **13/07/2025** |
| 9. | आईएफटीएम में अनुसंधान कार्य और नवाचार देखे | | हिन्दुस्तान | 13 | **13/07/2025** |
| 10. | आईएफटीएम विश्वविद्यालय में कृषि अनुसंधान और अकादमिक क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देने हेतु | | आज समाचार सेवा | 14 | **13/07/2025** |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | आईसीएआर-आईएआरआई के कुलपति ने किया विश्वविद्यालय का दौरा | | | | |
| 11. | प्रतिनिधि मंडल ने अनुसंधान कार्यों एवं नवाचारों को बारीकी से देखा | | अमर उजाला | 15 | **13/07/2025** |
| 12. | आईसीएआर-आईएआरआई के कुलपति ने किया विश्वविद्यालय का दौरा | | शाह टाइम ब्यूरो | 16 | **13/07/2025** |
| 13. | आईएफटीएम विश्वविद्यालय में कृषि अनुसंधान और अकादमिक क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देने हेतु आईसीएआर-आईएआरआई के कुलपति ने किया विश्वविद्यालय का दौरा | | युग बंधु समाचार | 17 | **13/07/2025** |
| 14. | आईएफटीएम और जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन (डीएडीबी) के बीच उन्नत तकनीकी पाठ्यक्रमों हेतु हुआ समझौता | | विधान केसरी | 18 | **24/07/2025** |
| 15. | आईएफटीएम डीएडीबी में हुआ समझौता | | हिन्दुस्तान | 19 | **24/07/2025** |
| 16. | आईएफटीएम और जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन के बीच उन्नत तकनीकी पाठ्यक्रमों के लिए हुआ समझौता | | शाह टाइम ब्यूरो | 20 | **24/07/2025** |
| 17. | आईएफटीएम और जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन (डीएडीबी) के बीच उन्नत तकनीकी पाठ्यक्रमों हेतु हुआ समझौता | | युग बंधु समाचार | 21 | **24/07/2025** |
| 18. | आईएफटीएम और जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन (डीएडीबी) के बीच उन्नत तकनीकी पाठ्यक्रमों हेतु हुआ समझौता | | आज समाचार सेवा | 22 | **24/07/2025** |
| 19. | आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'हरियाली तीज महोत्सव' का हुआ आयोजन | | युग बंधु समाचार | 23 | **25/07/2025** |
| 20. | आईएफटीएम विश्वविद्यालय में | | आज समाचार सेवा | 24 | **25/07/2025** |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | **‘हरियाली तीज महोत्सव' का हुआ आयोजन** | | | | |

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, गुरुवार, 3 जुलाई 2025 **05**

# एनसीसी कैडेटों को कराई गई फायरिंग

नवीं यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी की ओर से दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन आईएफटीएम यूनिवर्सिटी में 26 जून से 5 जुलाई तक किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण शिविर में मुरादाबाद, धामपुर, मोरना, बिजनौर, चन्दौसी, अमरोहा, बरेली, शाहजहांपुर, रामपुर के विभिन्न कॉलेजों की 589 छात्र एवं छात्रा एनसीसी कैडेट्स में भाग ले रहे हैं। इस शिविर के कैंप कमांडेंट कर्नल पीएन सिंह हैं। ● हिन्दुस्तान

अमर उजाला

मुरादाबाद | बृहस्पतिवार, 3 जुलाई 2025 5

# शिविर के सातवें दिन फायरिंग का प्रशिक्षण दिया

**मुरादाबाद।** नौ यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी की ओर से आईएफटीएम यूनिवर्सिटी में आयोजित दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के सातवें दिन बुधवार को एनसीसी कैडेट्स को पीटीसी स्थित इंडोर फायरिंग रेंज पर फायरिंग का प्रशिक्षण दिया गया।

शिविर में मुरादाबाद, धामपुर, मोरना, बिजनौर, चन्दौसी, अमरोहा, बरेली, शाहजहांपुर, रामपुर के विभिन्न कॉलेजों की 589 विद्यार्थी एनसीसी कैडेट्स शामिल रहें। इस दौरान डिप्टी कैंप कमांडेंट कर्नल विवेक शर्मा ने हथियार प्रशिक्षण के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेना के लिए हथियार प्रशिक्षण का विशेष महत्व है, हथियार का प्रशिक्षण हर सैनिक को दिया जाता है। सूबेदार नंदु कुमार ने शस्त्र प्रशिक्षण देते हुए कैडेट्स को बताया कि शस्त्र प्रशिक्षण की सिखलाई का आखिरी मुद्दा एक गोली एक दुश्मन होता है।

साथ ही बताया कि रायफल्स का निरीक्षण क्यों करते है, रायफल्स का निरीक्षण जान की सलामती के लिए किया जाता है। शिविर में कैडेट्स ने उत्साह के साथ फायरिंग की। इस दौरान मौके पर मेजर सोनिया बिंद्र, कैप्टन चंद्रवीर, कैप्टन ममता रानी आदि मौजूद रही। संवाद

## आईएफटीएम विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण अभियान-2025 का भव्य आयोजन

# एक पेड़ माँ के नाम" कार्यक्रम के अंतर्गत 150 से अधिक प्रतिभागियों ने किया सहभाग

- कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ
- डॉ. बी.के. सिंह ने बताया वृक्षारोपण का वैज्ञानिक और पर्यावरणीय महत्व
- विश्वविद्यालय प्रशासन एवं शिक्षकगण की रही सक्रिय सहभागिता

**मुरादाबाद (विधान केसरी)।** आईएफटीएम विश्वविद्यालय में सोमवार को वृक्षारोपण अभियान-2025 के अंतर्गत एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन शासन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत किया गया, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल द्वारा पौधा रोपित कर की गई। उन्होंने इस अभिवान को न केवल पर्यावरणीय दायित्व, बल्कि एक भावनात्मक पहल बताते हुए कहा कि एक पेड़ माँ के नाम जैसे भावनात्मक स्लोगन के माध्यम से वृक्षारोपण का संदेश जन-जन तक प्रभावी रूप में पहुँचाया जा सकता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से रोपित किए गए पौधों की नियमित देखभाल करने और उन्हें जीवित बनाए रखने की अपील की। एनएसएस इकाई के समन्वयक एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह ने इस अवसर पर वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष हमें न केवल शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर वायु की गुणवत्ता को भी सुधारते हैं। वे जल संरक्षण, मिट्टी कटाव की रोकथाम और जैव विविधता को संरक्षित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं स्कूलों के वरिष्ठ पदाधिकारी और शिक्षकगण भी मौजूद रहे। जिनमें प्रमुख रूप से डॉ. वैभव त्रिवेदी प्रतिकुलपति - एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन, डॉ. नवनीत वर्मा प्रतिकुलपति - रिसर्च एंड डेवलपमेंट, डॉ. निशा अग्रवाल निदेशिका, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, डॉ. वीरेन्द्र सिंह निदेशक, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग, डॉ. दीपांकर भारद्वाज, डॉ. राजकुमारी सिंह शामिल थे। इनके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षक, विभागाध्यक्ष, एनएसएस इकाई के स्वयंसेवक और लगभग 150 से अधिक शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने वृक्षारोपण में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के दौरान अर्जुन, जामुन, शीशम सहित अनेक प्रकार के पौधे रोपित किए गए। इन पौधों का चयन पर्यावरण की गुणवत्ता सुधारने और स्थानीय परिस्थितियों में टिकाऊपन को ध्यान में रखकर किया गया। कार्यक्रम के आयोजन को सफल बनाने में डॉ. रमेश पाल, श्रीमती रुचि चौधरी एवं एनएसएस इकाई के सभी स्वयंसेवकों की सराहनीय भूमिका रही। टीम ने पूरे कार्यक्रम के दौरान अनुशासन, समन्वय और पर्यावरण के प्रति समर्पण की मिसाल पेश की। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने यह संकल्प लिया कि वे पौधों की देखभाल नियमित रूप से करेंगे और आने वाले समय में भी इस प्रकार के अभियानों में सक्रिय रूप से सहभागी बनेंगे। एक पेड़ माँ के नाम" जैसा अभियान न केवल पर्यावरण की रक्षा करता है, बल्कि समाज में भावनात्मक और सामाजिक जुड़ाव भी बढ़ाता है। आईएफटीएम विश्वविद्यालय द्वारा यह आयोजन एक प्रेरणास्रोत बनकर उभरा है।

अमर उजाला

मुरादाबाद | बृहस्पतिवार, 10 जुलाई 2025 | 5

# आईएफटीईएम में अर्जुन और शीशम के लगाए पौधे

आईएफटीईएम में पौधरोपण करते शिक्षक। स्रोत : कॉलेज

मुरादाबाद। आईएफटीईएम महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण अभियान के तहत अर्जुन, जामुन, शीशम के पौधे लगाए गए। विवि कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने पौधा लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम स्लोगन पर पौधारोपण कार्यक्रम भावनात्मक है। एनएसएस इकाई समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बीके सिंह ने बताया कि पौधारोपण का प्राथमिक महत्व हमें सांस लेने के लिए ऑक्सीजन का उत्पादन, वातावरण से हानिकारक कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित करता है। इस मौके पर प्रतिकुलपति-एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति-रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. नवनीत वर्मा, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशक डॉ. निशा अग्रवाल, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह, डॉ. दीपांकर भारद्वाज आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

# आईएफटीएम परिसर में हुआ 'वृक्षारोपण

**शाह टाइम्स ब्यूरो**

**मुरादाबाद।** आईएफटीएम विश्वविद्यालय में शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से वृक्षारोपण अभियान- 2025 के अंतर्गत ''एक पेड़ माँ के नाम'' पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अर्जुन, जामुन, शीशम आदि विविध प्रकार के पौधे रोपित किए गए। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने पौधा लगाकर वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर डॉ. अग्रवाल ने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' स्लोगन पर आधारित यह वृक्षारोपण कार्यक्रम बेहद भावनात्मक है। साथ ही उन्होंने पर्यावरण को शुद्ध रखने में वृक्षों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए रोपित किए गए पौधों की जीवितता सुनिश्चित करने हेतु उनकी नियमित देखभाल भी करने की सलाह दी। इस मौके पर एनएसएस इकाई के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह ने बताया कि वृक्षारोपण का प्राथमिक महत्व हमें सांस लेने के लिए ऑक्सीजन का उत्पादन, वातावरण से हानिकारक कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करना, वायु की गुणवत्ता में सुधार करना, जल संरक्षण, मिट्टी के कटाव को रोकना और वन्यजीवों की अनगि. नत प्रजातियों के लिए आवास प्रदान करना है। इस दौरान प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. नवनीत वर्मा, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमैंट की निदेशिका डॉ. निशा अग्रवाल, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एण्ड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेन्द्र सिंह, डॉ. दीपांकर भारद्वाज एवं डॉ. राजकुमारी सिंह समेत विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षकों एवं एनएसएस इकाई के स्वयं सेवकों समेत 150 से अधिक शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. रमेश पाल एवं श्रीमती रुचि चौधरी समेत एनएसएस इकाई के स्वयंसेवकों की विशेष भूमिका रही।

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद, गुरुवार, 10 जुलाई 2025 04

आईएफटीएम में बुधवार को एनएसएस इकाई की ओर से पौधारोपण किया गया।

# पौधों की जीवितता के लिए सुनिश्चित करें देखभाल

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में एनएसएस इकाई की ओर से पौधरोपण अभियान के अंतर्गत 'एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अर्जुन, जामुन, शीशम आदि विविध प्रकार के पौधे रोपित किए गए। विवि के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने पौधा लगाकर पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर डॉ. अग्रवाल ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' स्लोगन पर आधारित यह पौधरोपण कार्यक्रम बेहद भावनात्मक है।

# आईएफटीएम विश्वविद्यालय परिसर में हुआ वृक्षारोपण अभियान- 2025 कार्यक्रम का आयोजन

**युग बन्धु समाचार**

**मुरादाबाद।** आईएफटीएम विश्वविद्यालय में शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से वृक्षारोपण अभियान- 2025 के अंतर्गत एक पेड़ माँ के नाम पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अर्जुन, जामुन, शीशम आदि विविध प्रकार के पौधे रोपित किए गए। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने पौधा लगाकर वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर डॉ. अग्रवाल ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम स्लोगन पर आधारित यह वृक्षारोपण कार्यक्रम बेहद भावनात्मक है। साथ ही उन्होंने पर्यावरण को शुद्ध रखने में वृक्षों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए रोपित किए गए पौधों की जीवितता सुनिश्चित करने हेतु उनकी नियमित देखभाल भी करने की सलाह दी।

इस मौके पर एनएसएस इकाई के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह ने बताया कि वृक्षारोपण का प्राथमिक महत्व हमें सांस लेने के लिए ऑक्सीजन का उत्पादन, वातावरण से हानिकारक कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करना, वायु की गुणवत्ता में सुधार करना, जल संरक्षण, मिट्टी के कटाव को रोकना और वन्यजीवों की अनगिनत प्रजातियों के लिए आवास प्रदान करना है। इस दौरान प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. नवनीत वर्मा, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका डॉ. निशा अग्रवाल, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एण्ड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेन्द्र सिंह, डॉ. दीपांकर भारद्वाज एवं डॉ. राजकुमारी सिंह समेत विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षकों एवं एनएसएस इकाई के स्वयं सेवकों समेत 150 से अधिक शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. रमेश पाल एवं रुचि चौधरी समेत एनएसएस इकाई के स्वयंसेवकों की विशेष भूमिका रही। वि0

विधान केसरी

# आईसीएआर–आईएआरआई के कुलपति ने किया आईएफटीएम विश्वविद्यालय का दौरा

**मुरादाबाद (विधान केसरी)।** आईएफटीएम विश्वविद्यालय में कृषि अनुसंधान और अकादमिक क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आईसीएआर- आईएआरआई के कुलपति डॉ. चौधरी श्रीनिवास राव के नेतृत्व में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), नई दिल्ली के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में उनके साथ आईएआरआई के संयुक्त निदेशक (अनुसंधान) डॉ. सी. विश्वनाथन, आनुवंशिकी विभाग के प्रमुख डॉ. एस. गोपाल कृष्णन एव बीज उत्पादन इकाई के प्रभारी डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह शामिल रहे, जिन्होंने स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग की ओर से किए जा रहे अनुसंधान कार्यों और नवाचारों को बारीकी से देखा। आईएआरआई के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने विश्वविद्यालय द्वारा अनुसंधान कार्यों और नवाचारों में कठोर कृषि मानकों को बनाए रखने के प्रयासों तथा उच्च मूल्य वाली बासमती चावल की किस्म की खेती में अपनाई गई वैज्ञानिक प्रथाओं की सराहना की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कृषि अनुसंधान, बीज प्रौद्योगिकी, अनुवांशिकी और शैक्षणिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में संभावित सहयोगी पहलों पर विचार-विमर्श करने के साथ ही बीज उत्पादन प्रणालियों में अनुसंधान उत्कृष्टता, विद्यार्थियों की भागीदारी और नवाचार को आगे बढ़ाने में आपसी हितों पर भी जोर दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. नवनीत वर्मा, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह, कृषि विज्ञान एण्ड कृषि इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल समेत विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने आईसीएआर- आईएआरआई के कुलपति डॉ. राव तथा प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों का पुष्पगुच्छ व प्रतीक-चिन्ह भेंटकर गर्मजोशी से स्वागत किया। कुलसचिव डॉ. अग्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है कि कृषि के क्षेत्र में भारत सरकार की अग्रणी संस्था के साथ हम मिलकर काम करेंगे और कृषि उत्पादन और विपणन को उच्च शिखर पर पहुंचाकर किसानों को लाभान्वित कर सकेंगे। स्कूल के निदेशक डॉ. सिंह ने बताया कि यह महत्वपूर्ण दौरा आईएफटीएम विश्वविद्यालय और आईएआरआई के बीच एक रणनीतिक गठबंधन की शुरूआत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आईएआरआई की ओर से संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रमों, विद्यार्थी प्रशिक्षण मॉड्यूल और उन्नत बीज उत्पादन के क्षेत्र में की गई पहलों के माध्यम से भारत के कृषि अनुसंधान परिदृश्य में व्यापक बदलाव आने के साथ ही कृषि पाठ्यक्रम के विद्यार्थी भी कृषि के क्षेत्र में नवीन व उन्नत तकनीकों को सीख सकेंगे।

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद, रविवार, 13 जुलाई 2025
04

# आईएफटीएम में अनुसंधान कार्य और नवाचार देखे

**मुरादाबाद**।आईएफटीएम विवि में कृषि अनुसंधान और अकादमिक क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने विवि का दौरा किया। आईसीएआर-आईएआरआई के कुलपति डॉ. चौधरी श्रीनिवास राव के नेतृत्व में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान , नई दिल्ली की टीम आईएफटीएम पहुंची थी। प्रतिनिधिमंडल में डॉ. चौधरी के साथ आईएआरआई के संयुक्त निदेशक स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल की ओर से जारी नवाचारों को देखा।

# आईएफटीएम विश्वविद्यालय में कृषि अनुसंधान और अकादमिक क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देने हेतु आईसीएआर-आईएआरआई के कुलपति ने किया विश्वविद्यालय का दौरा

**- आज समाचार सेवा -**

**मुरादाबाद।** आईएफटीएम विश्वविद्यालय में कृषि अनुसंधान और अकादमिक क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आईसीएआर- आईएआरआई के कुलपति डॉ. चैधरी श्रीनिवास राव के नेतृत्व में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), नई दिल्ली के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में उनके साथ आईएआरआई के संयुक्त निदेशक (अनुसंधान) डॉ. सी. विश्वनाथन, आनुवंशिकी विभाग के प्रमुख डॉ. एस. गोपाल कृष्णन एव बीज उत्पादन इकाई के प्रभारी डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह शामिल रहे, जिन्होंने स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग की ओर से किए जा रहे अनुसंधान कार्यों और नवाचारों को बारीकी से देखा। आईएआरआई के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने विश्वविद्यालय द्वारा अनुसंधान कार्यों और नवाचारों में कठोर कृषि मानकों को बनाए रखने के प्रयासों तथा उच्च मूल्य वाली बासमती चावल की किस्म की खेती में अपनाई गई वैज्ञानिक प्रथाओं की सराहना की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कृषि अनुसंधान, बीज प्रौद्योगिकी, अनुवांशिकी और शैक्षणिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में संभावित सहयोगी पहलों पर विचार-विमर्श करने के साथ ही बीज उत्पादन प्रणालियों में अनुसंधान उत्कृष्टता, विद्यार्थियों की भागीदारी और नवाचार को आगे बढ़ाने में आपसी हितों पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. नवनीत वर्मा, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह, कृषि विज्ञान एण्ड कृषि इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल समेत विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने आईसीएआर- आईएआरआई के कुलपति डॉ. राव तथा प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों का पुष्पगुच्छ व प्रतीक-चिन्ह भेंटकर गर्मजोशी से स्वागत किया। कुलसचिव डॉ. अग्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है कि कृषि के क्षेत्र में भारत सरकार की अग्रणी संस्था के साथ हम मिलकर काम करेंगे और कृषि उत्पादन और विपणन को उच्च शिखर पर पहुंचाकर किसानों को लाभान्वित कर सकेंगे। स्कूल के निदेशक डॉ. सिंह ने बताया कि यह महत्वपूर्ण दौरा आईएफटीएम विश्वविद्यालय और आईएआरआई के बीच एक रणनीतिक गठबंधन की शुरुआत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आईएआरआई की ओर से संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रमों, विद्यार्थी प्रशिक्षण मॉड्यूल और उन्नत बीज उत्पादन के क्षेत्र में की गई पहलों के माध्यम से भारत के कृषि अनुसंधान परिदृश्य में व्यापक बदलाव आने के साथ ही कृषि पाठ्यक्रम के विद्यार्थी भी कृषि के क्षेत्र में नवीन व उन्नत तकनीकों को सीख सकेंगे।

अमर उजाला

amarujala.com

मुरादाबाद | रविवार, 13 जुलाई 2025

9

# प्रतिनिधि मंडल ने अनुसंधान कार्यों एवं नवाचारों को बारीकी से देखा

आईएफटीएम में मौजूद प्रतिनिधिमंडल। स्रोत : विवि

मुरादाबाद। आईएफटीएम विवि में कृषि अनुसंधान और अकादमी क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आईसीएआर-आईएआरआई के कुलपति डॉ. चौधरी श्रीनिवास राव ने नेतृत्व में आईएआरआई का एक प्रतिनिधि मंडल ने विवि का दौरा किया। आईएआरआई के संयुक्त निदेशक डॉ. सी विश्वनाथन, अनुवांशिकी विभाग के प्रमुख डॉ. एस गोपाल कृष्णन, बीज उत्पादक इकाई के प्रभारी डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह ने अनुसंधान कार्यों एवं नवाचारों को बारीकी से देखा। इस मौके पर विवि कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति डॉ. नवनीत वर्मा, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज एंड इंजीनियरिंग

# आईसीएआर-आईएआरआई के कुलपति ने किया विश्वविद्यालय का दौरा

**शाह टाइम्स ब्यूरो**

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में कृषि अनुसंधान और अकादमिक क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आईसीएआर-आईएआरआई के कुलपति डॉ. चौधरी श्रीनिवास राव के नेतृत्व में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), नई दिल्ली के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय का दौरा किया। प्रति. निधिमंडल में उनके साथ आईएआरआई के संयुक्त निदेशक (अनुसंधान) डॉ. सी. विश्वनाथन, आनुवंशिकी विभाग के प्रमुख डॉ. एस. गोपाल कृष्णन एव बीज उत्पादन इकाई के प्रभारी डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह शामिल रहे, जिन्होंने स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग की ओर से किए जा रहे अनुसंधान कार्यों और नवाचारों को बारीकी से देखा। आईएआरआई के प्रतिनिधिमंडल

के सदस्यों ने विश्वविद्यालय द्वारा अनुसंधान कार्यों और नवाचारों में कठोर कृषि मानकों को बनाए रखने के प्रयासों तथा उच्च मूल्य वाली बासमती चावल की किस्म की खेती में अपनाई गई वैज्ञानिक प्रथाओं की सराहना की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कृषि अनुसंधान, बीज प्रौद्योगिकी, अनुवांशिकी और शैक्षणिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में संभावित सहयोगी पहलों पर विचार-विमर्श करने के साथ ही बीज उत्पादन प्रणालियों में अनुसंधान उत्कृष्टता, विद्यार्थियों की भागीदारी और नवाचार को आगे बढ़ाने में आपसी हितों पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुल. पति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. नवनीत वर्मा, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह, कृषि विज्ञान एण्ड कृषि इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल समेत विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने आईसीएआर-आईएआरआई के कुलपति डॉ. राव तथा प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों का पुष्पगुच्छ व प्रतीक-चिन्ह भेंटकर गर्मजोशी से स्वागत किया। कुलसचिव डॉ. अग्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है कि कृषि के क्षेत्र में भारत सरकार की अग्रणी संस्था के साथ हम मिलकर काम करेंगे और कृषि उत्पादन और विपणन को उच्च शिखर पर पहुंचाकर किसानों को लाभान्वित कर सकेंगे। स्कूल के निदेशक डॉ. सिंह ने बताया कि यह महत्वपूर्ण दौरा आईएफटीएम विश्वविद्यालय और आईएआरआई के बीच एक रणनीतिक गठबंधन की शुरुआत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आईएआरआई की ओर से संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रमों, विद्यार्थी प्रशिक्षण मॉड्यूल और उन्नत बीज उत्पादन के क्षेत्र में की गई पहलों के माध्यम से भारत के कृषि अनुसंधान परिदृश्य में व्यापक बदलाव आने के साथ ही कृषि पाठ्यक्रम के विद्यार्थी भी कृषि के क्षेत्र में नवीन व उन्नत तकनीकों को सीख सकेंगे।

# आईएफटीएम विश्वविद्यालय में कृषि अनुसंधान और अकादमिक क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देने हेतु आईसीएआर-आईएआरआई के कुलपति ने किया विश्वविद्यालय का दौरा

**युग बन्धु समाचार**

**मुरादाबाद।** आईएफटीएम विश्वविद्यालय में कृषि अनुसंधान और अकादमिक क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आईसीएआर- आईएआरआई के कुलपति डॉ. चौधरी श्रीनिवास राव के नेतृत्व में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), नई दिल्ली के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में उनके साथ आईएआरआई के संयुक्त निदेशक (अनुसंधान) डॉ. सी. विश्वनाथन, आनुवंशिकी विभाग के प्रमुख डॉ. एस. गोपाल कृष्णन एव बीज उत्पादन इकाई के प्रभारी डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह शामिल रहे, जिन्होंने स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग की ओर से किए जा रहे अनुसंधान कार्यों और नवाचारों को बारीकी से देखा। आईएआरआई के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने विश्वविद्यालय द्वारा अनुसंधान कार्यों और नवाचारों में कठोर कृषि मानकों को बनाए रखने के प्रयासों तथा उच्च मूल्य वाली बासमती चावल की किस्म की खेती में अपनाई गई वैज्ञानिक प्रथाओं की सराहना की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कृषि अनुसंधान, बीज प्रौद्योगिकी, अनुवांशिकी और शैक्षणिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में संभावित सहयोगी पहलों पर विचार-विमर्श करने के साथ ही बीज उत्पादन प्रणालियों में अनुसंधान उत्कृष्टता, विद्यार्थियों की भागीदारी और नवाचार को आगे बढ़ाने में आपसी हितों पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. नवनीत वर्मा, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह, कृषि विज्ञान एण्ड कृषि इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल समेत विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने आईसीएआर- आईएआरआई के कुलपति डॉ. राव तथा प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों का पुष्पगुच्छ व प्रतीक-चिन्ह भेंटकर गर्मजोशी से स्वागत किया। कुलसचिव डॉ. अग्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है कि कृषि के क्षेत्र में भारत सरकार की अग्रणी संस्था के साथ हम मिलकर काम करेंगे और कृषि उत्पादन और विपणन को उच्च शिखर पर पहुंचाकर किसानों को लाभान्वित कर सकेंगे। स्कूल के निदेशक डॉ. सिंह ने बताया कि यह महत्वपूर्ण दौरा आईएफटीएम विश्वविद्यालय और आईएआरआई के बीच एक रणनीतिक गठबंधन की शुरूआत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आईएआरआई की ओर से संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रमों, विद्यार्थी प्रशिक्षण मॉड्यूल और उन्नत बीज उत्पादन के क्षेत्र में की गई पहलों के माध्यम से भारत के कृषि अनुसंधान परिदृश्य में व्यापक बदलाव आने के साथ ही कृषि पाठ्यक्रम के विद्यार्थी भी कृषि के क्षेत्र में नवीन व उन्नत तकनीकों को सीख सकेंगे। वि

# आईएफटीएम और जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन (डीएडीबी) के बीच उन्नत तकनीकी पाठ्यक्रमों हेतु हुआ समझौता

**मुरादाबाद (विधान केसरी)।** आईएफटीएम विश्वविद्यालय द्वारा उन्नत तकनीकी पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने की दृष्टि से जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन (डीएडीबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने विश्व स्तरीय संस्थान के साथ हुए इस समझौते पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इससे विश्वस्तरीय इंजीनियरिंग और तकनीकी के क्षेत्र में आधुनिक शिक्षण और प्रशिक्षण की दिशा में एक नया आयाम जुड़ेगा, जिसका सीधा लाभ शिक्षकों और विद्यार्थियों को मिलेगा। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने यह भी कहा कि इस एमओयू के माध्यम से इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखाओं के पाठ्यक्रम के साथ-साथ हाइड्रोजन टेक्नोलॉजी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, सोलर पावर एनर्जी सिस्टम एवं 5 जी टेक्नोलॉजी जैसे उन्नत तकनीकी पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे, जिन्हें जर्मन प्रोफेसर्स द्वारा डिजाइन किया गया है तथा उनमें उद्योग विशेषज्ञों के सुझावों को भी शामिल किया गया है। इस अवसर पर ह्यजर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन (डीएडीबी) की बिजनेस पार्टनरशिप मैनेजर श्रीमती आंद्रिया घोष ने कहा कि यह एमओयू विद्यार्थियों के कौशल विकास और वैश्विक स्तर की शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डिजिटल एजुकेशन के लाभ बताते हुए कहा कि इसके द्वारा विद्यार्थी आधुनिक तकनीकों को आसानी से सीख सकेंगे तथा इसमें धन और समय दोनों की बचत होगी। श्रीमती घोष ने विदेशों में जाकर शिक्षा ग्रहण करने को कठिन बताते हुए कहा कि इस समझौते से ग्रामीण क्षेत्र तथा आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी भी आधुनिक तकनीक सीख सकेंगे। इसी कड़ी में उन्होंने यह भी कहा कि इससे विदेशों में भी रोजगार मिलने की संभावना बढ़ जाएगी। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. अग्रवाल ने श्रीमती घोष को बुके और प्रतीक-चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। एसईटी के निदेशक डॉ. कुमार ने बताया कि इस समझौते के फलस्वरूप विद्यार्थियों को नई टेक्नोलॉजी की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही इनोवेटिव आइडियाज उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा विद्यार्थी अपने नवाचार आइडियाज की मदद से नए स्टार्ट-अप और बिजनेस प्लान बना सकेंगे। साथ ही विद्यार्थी खुद रोजगार पाने के साथ-साथ भविष्य में दूसरे छात्र-छात्राओं के लिए भी रोजगार उपलब्ध कराने में मददगार साबित होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि बदलते परिदृश्य में विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर के कौशल विकास की ओर ध्यान देना होगा, तभी वे प्रतिस्पर्धा के दौर में आगे निकल पाएंगे। जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन (डीएडीबी) के साथ एमओयू होने पर प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स डॉ. राहुल कुमार मिश्रा प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. नवनीत वर्मा समेत विश्वविद्यालय के सभी स्कूलों के निदेशकों, विभगाध्यक्षों और शिक्षकों ने भी प्रसन्नता व्यक्त की।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, गुरुवार, 24 जुलाई 2025 05

आईएफटीएम और डीएडीबी के बीच एमओयू साइन किया गया। • हिन्दुस्तान

# आईएफटीएम और डीएडीबी में हुआ समझौता

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की ओर से उन्नत तकनीकी पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने की दृष्टि से 'जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन (डीएडीबी)' के साथ एमओयू साइन किया गया। विवि के कुलपति प्रो. महेंद्र पांडेय ने विश्वस्तरीय संस्थान के साथ हुए इस समझौते पर कहा कि इससे विश्वस्तरीय इंजीनियरिंग और तकनीकी के क्षेत्र में आधुनिक शिक्षण और प्रशिक्षण की दिशा में एक नया आयाम जुड़ेगा।

# आईएफटीएम व जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन के बीच उन्नत तकनीकी पाठ्यक्रमों के लिए हुआ समझौता

**शाह टाइम्स ब्यूरो**

**मुरादाबाद।** आईएफटीएम विश्वविद्यालय द्वारा उन्नत तकनीकी पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने की दृष्टि से 'जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन (डीएडीबी)' के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने विश्व स्तरीय संस्थान के साथ हुए इस समझौते पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इससे विश्वस्तरीय इंजीनियरिंग और तकनीकी के क्षेत्र में आधुनिक शिक्षण और प्रशिक्षण की दिशा में एक नया आयाम जुड़ेगा, जिसका सीधा लाभ शिक्षकों और विद्यार्थियों को मिलेगा। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने यह भी कहा कि इस एमओयू के माध्यम से इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखाओं के पाठ्यक्रम के साथ-साथ हाइड्रोजन टेक्नोलॉजी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, सोलर पावर एनर्जी सिस्टम एवं 5 जी टेक्नोलॉजी जैसे उन्नत तकनीकी पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे, जिन्हें जर्मन प्रोफेसर्स द्वारा डिजाइन किया गया है तथा उनमें उद्योग विशेषज्ञों के सुझावों को भी शामिल किया गया है। इस अवसर पर 'जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन (डीएडीबी)' की बिजनेस पार्टनरशिप मैनेजर श्रीमती आंद्रिया घोष ने कहा कि यह एमओयू विद्यार्थियों के कौशल विकास और वैश्विक स्तर की शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डिजिटल एजुकेशन के लाभ बताते हुए कहा कि इसके द्वारा विद्यार्थी आधुनिक तकनीकों को आसानी से सीख सकेंगे तथा इसमें धन और समय दोनों की बचत होगी। श्रीमती घोष ने विदेशों में जाकर शिक्षा ग्रहण करने को कठिन बताते हुए कहा कि इस समझौते से ग्रामीण क्षेत्र तथा आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी भी आधुनिक तकनीक सीख सकेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि बदलते परिदृश्य में विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर के कौशल विकास की ओर ध्यान देना होगा, तभी वे प्रतिस्पर्धा के दौर में आगे निकल पाएंगे। 'जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन (डीएडीबी)' के साथ एमओयू होने पर प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स डॉ. राहुल कुमार मिश्रा प्रतिकुलपति-एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुल. पति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. नवनीत वर्मा समेत विश्व. विद्यालय के सभी स्कूलों के निदेशकों, विभगाध्यक्षों और शिक्षकों ने भी प्रसन्नता व्यक्त की।

# आईएफटीएम विश्वविद्यालय और जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन (डीएडीबी) के बीच उन्नत तकनीकी पाठ्यक्रमों हेतु हुआ समझौता

**युग बन्धु समाचार**

**मुरादाबाद।** आईएफटीएम विश्वविद्यालय द्वारा उन्नत तकनीकी पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने की दृष्टि से जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन (डीएडीबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने विश्व स्तरीय संस्थान के साथ हुए इस समझौते पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इससे विश्वस्तरीय इंजीनियरिंग और तकनीकी के क्षेत्र में आधुनिक शिक्षण और प्रशिक्षण की दिशा में एक नया आयाम जुड़ेगा, जिसका सीधा लाभ शिक्षकों और विद्यार्थियों को मिलेगा। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने यह भी कहा कि इस एमओयू के माध्यम से इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखाओं के पाठ्यक्रम के साथ-साथ हाइड्रोजन टेक्नोलॉजी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, सोलर पावर एनर्जी सिस्टम एवं 5 जी टेक्नोलॉजी जैसे उन्नत तकनीकी पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे, जिन्हें जर्मन प्रोफेसर्स द्वारा डिजाइन किया गया है तथा उनमें उद्योग विशेषज्ञों के सुझावों को भी शामिल किया गया है। इस अवसर पर जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन

(डीएडीबी) की बिजनेस पार्टनरशिप मैनेजर श्रीमती आंद्रिया घोष ने कहा कि यह एमओयू विद्यार्थियों के कौशल विकास और वैश्विक स्तर की शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डिजिटल एजुकेशन के लाभ बताते हुए कहा कि इसके द्वारा विद्यार्थी आधुनिक तकनीकों को आसानी से सीख सकेंगे तथा इसमें धन और समय दोनों की बचत होगी। श्रीमती घोष ने विदेशों में जाकर शिक्षा ग्रहण करने को कठिन बताते हुए कहा कि इस समझौते से ग्रामीण क्षेत्र तथा आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी भी आधुनिक तकनीक सीख सकेंगे। इसी कड़ी में उन्होंने यह भी कहा कि इससे विदेशों में भी रोजगार मिलने की संभावना बढ़ जाएगी।

इस मौके पर कुलसचिव डॉ. अग्रवाल ने श्रीमती घोष को बुके और प्रतीक-चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। एसईटी के निदेशक डॉ. कुमार ने बताया कि इस समझौते के फलस्वरूप विद्यार्थियों को नई टेक्नोलॉजी की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही इनोवेटिव आइडियाज उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा विद्यार्थी अपने नवाचार आइडियाज की मदद से नए स्टार्ट-अप और बिजनेस प्लान बना सकेंगे।

साथ ही विद्यार्थी खुद रोजगार पाने के साथ-साथ भविष्य में दूसरे छात्र-छात्राओं के लिए भी रोजगार उपलब्ध कराने में मददगार साबित होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि बदलते परिदृश्य में विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर के कौशल विकास की ओर ध्यान देना होगा, तभी वे प्रतिस्पर्धा के दौर में आगे निकल पाएंगे। जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन (डीएडीबी) के साथ एमओयू होने पर प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स डॉ. राहुल कुमार मिश्रा प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. नवनीत वर्मा समेत विश्वविद्यालय के सभी स्कूलों के निदेशकों, विभगाध्यक्षों और शिक्षकों ने भी प्रसन्नता व्यक्त की। एजेंसी

# आईएफटीएम और जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन के बीच उन्नत तकनीकी पाठ्यक्रमों हेतु हुआ समझौता

**-आज समाचार सेवा-**

**मुरादाबाद।** आईएफटीएम विश्वविद्यालय द्वारा उन्नत तकनीकी पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने की दृष्टि से 'जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन (डीएडीबी)' के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने विश्व स्तरीय संस्थान के साथ हुए इस समझौते पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इससे विश्वस्तरीय इंजीनियरिंग और तकनीकी के क्षेत्र में आधुनिक शिक्षण और प्रशिक्षण की दिशा में एक नया आयाम जुड़ेगा, जिसका सीधा लाभ शिक्षकों और विद्यार्थियों को मिलेगा। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने यह भी कहा कि इस एमओयू के माध्यम से इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखाओं के पाठ्यक्रम के साथ-साथ हाइड्रोजन टेक्नोलॉजी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, सोलर पावर उनमें उद्योग विशेषज्ञों के सुझावों को भी शामिल किया गया है। इस अवसर पर 'जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन (डीएडीबी)' की बिजनेस पार्टनरशिप मैनेजर श्रीमती आंद्रिया घोष ने कहा कि यह एमओयू विद्यार्थियों के कौशल विकास और वैश्विक स्तर की शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डिजिटल एजुकेशन के लाभ बताते हुए कहा कि इसके द्वारा विद्यार्थी आधुनिक तकनीकों को आसानी से सीख सकेंगे तथा इसमें धन और समय दोनों की बचत होगी। श्रीमती घोष ने विदेशों में जाकर शिक्षा ग्रहण करने को कठिन बताते हुए कहा कि इस समझौते से ग्रामीण क्षेत्र तथा आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी भी आधुनिक तकनीक सीख सकेंगे। इसी कड़ी में उन्होंने यह भी कहा कि इससे विदेशों में भी रोजगार मिलने की संभावना बढ़ जाएगी।

डॉ. कुमार ने बताया कि इस समझौते के फलस्वरूप विद्यार्थियों को नई टेक्नोलॉजी की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही इनोवेटिव आइडियाज उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा विद्यार्थी अपने नवाचार आइडियाज की मदद से नए स्टार्ट-अप और बिजनेस प्लान बना सकेंगे। साथ ही विद्यार्थी खुद रोजगार पाने के साथ-साथ भविष्य में दूसरे छात्र-छात्राओं के लिए भी रोजगार उपलब्ध कराने में मददगार साबित होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि बदलते परिदृश्य में विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर के कौशल विकास की ओर ध्यान देना होगा, तभी वे प्रतिस्पर्धा के दौर में आगे निकल पाएंगे। 'जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन (डीएडीबी)' के साथ एमओयू होने पर प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स डॉ. राहुल कुमार मिश्रा प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट

# आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'हरियाली तीज महोत्सव' का हुआ आयोजन

**मुरादाबाद।** आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में तीज पर्व के अवसर पर ''हरियाली तीज महोत्सव'' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल की सभी शिक्षिकाओं के बीच विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिनमें शिक्षिकाओं ने अपनी रचनात्मकता एवं कलात्मक प्रतिभा का मनमोहक प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने सभी शिक्षिकाओं को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षा व स्कूल की निदेशिका डॉ. निशा अग्रवाल ने तीज उत्सव की सांस्कृतिक और पारंपरिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तीज का पर्व पारंपरिक नारी सशक्तिकरण, समर्पण और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। मानसून के आगमन में इस पर्व पर पवित्र मन से भक्तिभाव और श्रद्धा के साथ माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा अर्चना की जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक विविधता, रचनात्मकता और सामुदायिक भावना जीवंत रूप में दिखाई देती है। स्कूल की डॉ. निशा अग्रवाल ने बताया कि यह महोत्सव शिक्षिकाओं के लिए बेहद आनंदमयी रहा तथा सभी शिक्षिकाओं ने आयोजन में बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम समन्वयिका डॉ. मेघा भाटिया, कार्यक्रम आयोजिका डॉ. आरती गर्ग, डॉ. स्वाति राय, डॉ. शेफाली अग्रवाल समेत कई अन्य शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

# आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ ''हरियाली तीज महोत्सव'' का हुआ आयोजन

-आज समाचार सेवा-

**मुरादाबाद।** आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में तीज पर्व के अवसर पर ''हरियाली तीज महोत्सव'' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल की सभी शिक्षिकाओं के बीच विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिनमें शिक्षिकाओं ने अपनी रचनात्मकता एवं कलात्मक प्रतिभा का मनमोहक प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने सभी शिक्षिकाओं को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षा व स्कूल की निदेशिका डॉ. निशा अग्रवाल ने तीज उत्सव की सांस्कृतिक और पारंपरिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तीज का पर्व पारंपरिक नारी सशक्तिकरण, समर्पण और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। मानसून के आगमन में इस पर्व पर पवित्र मन से भक्तिभाव और श्रद्धा के साथ माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा अर्चना की जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक विविधता, रचनात्मकता और सामुदायिक भावना जीवंत रूप में दिखाई देती है।

स्कूल की डॉ. निशा अग्रवाल ने बताया कि यह महोत्सव शिक्षिकाओं के लिए बेहद आनंदमयी रहा तथा सभी शिक्षिकाओं ने आयोजन में बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम समन्वयिका डॉ. मेघा भाटिया, कार्यक्रम आयोजिका डॉ. आरती गर्ग, डॉ. स्वाति राय, डॉ. शेफाली अग्रवाल समेत कई अन्य शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।